उत्तर प्रदेश में छह माह में विदेशी निवेश बढ़ा

■ अजित खरे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश 712.35 मिलियन यूएस डालर से बढ़कर 785.55 यूएस मिलियन यूएस डालर हो गया। यह बढ़ोतरी पिछले साल जून से दिसंबर के बीच की है। अभी यूपी प्रत्यक्ष विदशी निवेश लाने के मामले में 11 वें स्थान पर है। आने वाले वक्त में इस मामले में यूपी के शीर्ष पांच राज्यों में आने की उम्मीद है।

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के मुताबिक राज्य में विदेशी कंपनियों ने पिछले साल की दूसरी छमाही में 5211. 98 करोड़ रुपये (712.35 मिलियन यूएस डालर) से बढ़ कर दिसंबर 21 में 5758.17 (785.55 मिलियन यूएस डालर) करोड़ रुपये का हो गया। इसके अलावा राज्य में विदेशी कंपनियों की 39 परियोजनाओं पर वर्तमान में काम चल रहा है। इसके लिए जमीन दे दी गई है। इसमें 20559 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश होना है। योगी सरकार अब ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट कराएगी। यह विदेशी निवेश की आमद का एक बड़ा जरिया बनेगा।

जर्मनी की कंपनी वाइका इंस्ट्रमेंटस ने गाजियाबाद में परियोजना के लिए जमीन ली है। यूके की वेबले स्काट कंपनी हरदोई में प्लांट लगा रही है। एबी मौरी 1100 करोड़ से पीलीभीत में फूड प्लांट लगा रही है। इसे यूपीसीडा ने 275 एकड़ जमीन उपलब्ध करवा दी है। इसके जरिए 5000 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसी तरह पेप्सिको 814 करोड़ से निवेश कर रही है।

इसमें 1500 लोगों को रोजगार के अवसर आएंगे। आईनाक्स एयरप्रोडेक्ट रायबरेली में 150 करोड़ का आक्सीजन प्लांट लगा रही है। एयरलिक्विड 360 करोड का निवेश कर रही है। ब्रिटानिया, डिक्सान की परियोजनाओं पर काम हो रहा है।

इन राज्यों से यूपी आगे

पंजाब, केरल, आंध्रप्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड जैसे कई राज्यों से यूपी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के मामले में आगे है। हालांकि महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, दिल्ली, तमिलनाडु, हरियाणा, राजस्थान व पश्चिम बंगाल राज्य यूपी से आगे हैं।

इन क्षेत्रों में विदेशी निवेश

खाद्य प्रसंस्करण, आक्सीजन प्लांट, कम्प्यूटर साफ्टवेयर, मोबाइल सेट, आटोमोबाइल, इंफ्रास्ट्रक्चर, डाटा सेंटर, दवा व रसायन व पर्यटन आदि क्षेत्रों में निवेश हो रहा है। यूके, जर्मनी, नीदरलैंड, यूएस, इटली, दक्षिण कोरिया, यूएई आदि देशों की कंपनियां दस्तक दे रही हैं।